चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	10.4.21	4	1-3

जमाई धाक कृषि मेले का समापन, कई राज्यों से 52 हजार किसानों ने किया प्रतिभाग

म्हारा गेहूं पांच राज्यों को कर रहा मालामाल

वैभव शर्मा, हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि द्वारा खोजी गई तीन किस्में प्रदेश ही नहीं, बल्कि पांच राज्यों में धाक जमा रहीं हैं। यह किस्में अच्छी पैदावार के साथ किसानों को समृद्ध कर रही हैं। इनमें गेहूं की तीन किस्में (डब्ल्यूएच 1105, डब्ल्यूएच 1124, डब्ल्यूएच 1142) शामिल हैं। इन किस्मों की खास बात है कि यह जिस मौसम में उगाई जाती हैं उस समय के तापमान और पर्यावरणीय परिस्थिति में अच्छे से अपने आप को संभाल लेती हैं। तीनों किस्मों को एचएयू (हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय) में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेले में किसानों के लिए प्रदर्शित भी किया गया। कृषि मैले में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और पंजाब के किसान आते हैं। दो दिनों में 52 हजार किसान इस मेले का फायदा उठा चुके हैं। इस बार कृषि मेले की थीम जल संरक्षण रही।

एक किस्म को लैब से किसान तक पहुंचने में लगे 15 साल : एक किस्म को किसान तक पहुंचाने में 15 साल का समय लगता है। इसमें सबसे पहले क्राप सिलेक्शन की प्रक्रिया छह से सात साल तक चलती है। इसके बाद शुरु के ट्रायल होते हैं फिर स्टेशन ट्रायल कराए जाते हैं। इसके बाद तीन वर्ष तक एडवांस वैरायटी ट्रायल होते हैं फिर अखिल भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान की कार्यशाला में इसकी पहचान की जाती है। इसके बाद बीज कंपनियों के माध्यम से किसानों तक कोई किस्म पहुंचाई जाती है।

यह किस्में दूसरे राज्यों के किसानों की बनीं पसंद

डब्ल्यूएच 1105 किस्म : गेहूं की यह किस्म समय की बिजाई वाली किस्म है। इसकी एक से 20 नवंबर तक बिजाई की जाती है। इसको उपजाने के लिए पांच-छह बार पानी लगाया जाता है। इसकी औसतन पैदावार 60 से 72 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है। इसमें पीला रतवा रोग नहीं आता। इसलिए किसान इसे काफी पसंद करते हैं। इसे एचएयू के विज्ञानियों ने 2013 में विकसित किया था मगर लोगों के पास यह 2015 तक पहुंची।

डब्ल्यूएच 1124 : दूसरी गेहूं की किस्म डब्ल्यूएच 1124 पछेती बिजाई वाली किस्म है। इसकी औसतन पैदावार 47 से 56 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है। यह किस्म पकते समय अधिक तापमान को भी सहन करने की शक्ति रखती है। इसे पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, पश्चिमी उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर के समतल क्षेत्रों में उगाया जाता है।

डब्ल्यूएच 1142 किस्म : गेहूं की डब्ल्यूएच 1142 किस्म 2015 में कम पानी व कम उपजाऊ भूमि के लिए निकाली गई थी। इसकी खासियत है कि यह दो पानी में ही 48 से 62 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक पैदावार दे सकती है। यह किस्म लंबी बालियों वाली होती है। कम पानी वाले क्षेत्रों में किसान इसे अधिक पसंद करते हैं। राजस्थान में तो काफी अच्छा परिणाम देती है।

> देश के लिए जल संरक्षण बड़ा विषय है। इसलिए इस बार हमने कृषि मेले का थीम जल संरक्षण विषय पर रखा। जिसमें किसानों को ऐसी किस्मों के बारे में बताया गया जो कम पानी में अच्छी पैदावार देती हैं। किसानो से अपील है कि जल संरक्षण अभियान को बढावा दें।
> **डा बीआर कांबोज,** कुलपति, एचएयू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10.9.21	4	1

कृषि मेले में वैक्सीनेशन, सैंपलिंग हुई

हिसार | एचएयू में लगे कृषि मेले में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से किसानों को मच्छर जनित बीमारियों, एचआईवी से बचाव के प्रति जागरूकता करने के साथ-साथ 273 एचआईवी स्क्रीनिंग टेस्ट और 250 कोविड सैंपल लिए। सभी कोविड सैंपल निगेटिव रहे। इसके अलावा 104 लोगों को कोरोना से बचाव का टीका लगाया। सिविल सर्जन डॉ. रत्ना भारती के निर्देशानुसार आईडीएसपी के नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष खतरेजा और एचआईवी के नोडल अधिकारी डॉ. सुशील गर्ग ने जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	09.09.21	------	-----

उपायुक्त कृषि मेले में प्रगतिशील किसानों व महिलाओं से ली प्रतिक्रिया

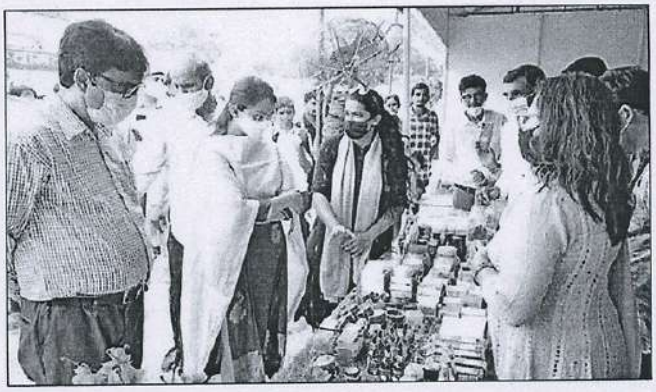

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की ओर से आयोजित कृषि मेला किसानों के लिए बहुत ही लाभकारी है। इसलिए अधिक से अधिक संख्या में यहां आकर किसानों को आधुनिक तकनीकों, कृषि उपकरणों व विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों की जानकारी हासिल करनी चाहिए। यह बात जिला उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी ने एचएयू के दो दिवसीय कृषि मेले के दूसरे दिन अपने भ्रमण के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि अगर किसान वैज्ञानिक तरीके से कृषि करें और आधुनिक तकनीकों को अपनाएं तो निश्चय ही किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी। मेले के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी विभागों की स्टालों का दौरा कर बारिकी से जानकारी हासिल की। साथ ही प्रगतिशील किसानों व महिलाओं से भी बातचीत कर उनके व्यवसाय के बारे में जानकारी ली। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि वे दिन-रात किसानों की सेवा के लिए लगे हुए हैं। उनकी वजह से ही किसान मौजूदा समय में अपनी फसलों की अच्छी पैदावार हासिल कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले बीज व वैज्ञानिक सलाह तथा तकनीकी जानकारी मिलती है।

इस अवसर पर उनके साथ कुलपति के ओएसडी डॉ अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ राजवीर सिंह, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ रामनिवास, डॉ कृष्ण यादव सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	09.09.21	--	--

कृषि मेले के दौरान विभिन्न मशीनरियों के बारे में जानकारी लेते किसान।

स्टाल पर मक्का फसल की जानकारी लेता हुआ किसान।

किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद है कृषि मेला : डॉ. सोनी

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की ओर से आयोजित कृषि मेला किसानों के लिए बहुत ही लाभकारी है। इसलिए अधिक से अधिक संख्या में यहां आकर किसानों को आधुनिक तकनीकों, कृषि उपकरणों व विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों की जानकारी हासिल करनी चाहिए। ये विचार जिला उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी ने एचएयू के दो दिवसीय कृषि मेले के दूसरे दिन अपने भ्रमण के दौरान कही। उन्होंने कहा कि यहां आकर उन्हें लगता है कि अगर किसान वैज्ञानिक तरीके से कृषि करें और आधुनिक तकनीकों को अपनाएं तो निश्चय ही किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी। मेले के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी विभागों की स्टालों का दौरा कर बारीकी से जानकारी हासिल की। साथ ही प्रगतिशील किसानों व महिलाओं से भी बातचीत कर उनके व्यवसाय के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ये दिनरात किसानों की सेवा के लिए लगे हुए हैं। उनकी वजह से ही किसान मौजूदा समय में अपनी फसलों की अच्छी पैदावार हासिल कर रहे है क्योंकि उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले बीज व वैज्ञानिक सलाह तथा तकनीकी जानकारी मिलती है। इस अवसर पर डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजबीर सिंह, डॉ. रामनिवास, डॉ. कृष्ण यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मेले में दिखी मशरूम की फसल।

मेले में लगी स्टाल पर जानकारी लेते किसान।

12

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	09.09.2021	--	--

एचएयू के दो दिवसीय कृषि मेले में फसल प्रतियोगिता में किसानों ने जीते इनाम

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की ओर से आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) के दौरान किसानों को प्रेरित व प्रोत्साहित करने के लिए फसल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके तहत उन किसानों को सम्मानित किया गया जिनकी फसल स्वस्थ व बेहतरीन थी। इसके लिए कमेटी का गठन किया गया था जिसने फसल के सभी पहलुओं को देखने के बाद परिणामों की घोषणा की। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि दो साल बाद आयोजित किए गए इस किसान मेले में किसानों का रूझान बहुत अधिक देखने को मिला। किसानों ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। इस दौरान इस तरह की प्रतियोगिताओं से किसानों का उत्साह वर्धन होता है और अन्य किसान भी प्रेरणा लेते हैं।

गांव धांसू के किसान मांगेराम की अरण्ड की खेती प्रथम, कोहली के अनिल कुमार की मुंगफली प्रथम, ढाबी कलां के विरेंद्र की कपास प्रथम, किरतान के अभिमन्यु की कपास द्वितीय, आर्यनगर के विकास का गवार प्रथम, कालीरावण के शमशेर का मक्का प्रथम, दौलतपुर के किसान कर्मबीर सिंह का धान व लहसून प्रथम, चमराड़ा के किसान सुधीर की अरबी प्रथम व करौंदा द्वितीय, डाया के किसान नरेश की की हल्दी प्रथम, सलेमगढ़ के विकास की मशरूम प्रथम, बिश्नपुरा के गुरबाण सिंह के प्याज प्रथम, केलरम के किसान बलवान का करेला प्रथम, अडवास के किसान बलराज का करौंदा प्रथम, दौलतपुर के किसान सोनू का बेलपत्र प्रथम, जौरासी के रामप्रकाश की मौसमी प्रथम, प्रभुवाला के किसान परविंद्र का नींबू प्रथम व माल्टा द्वितीय स्थान पर रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10.9.21	4	1-6

'जल संरक्षण के लिए अन्नदाता को अपनानी होगी आधुनिक तकनीकें : प्रो. काम्बोज'

» 2 दिवसीय कृषि मेला संपन्न » हरियाणा, राजस्थान, पंजाब व अन्य प्रदेशों के करीब 52 हजार किसान व लोगों ने बटोरी महत्वपूर्ण जानकारी

हिसार, 9 सितम्बर (राठी): दिनों-दिन गिरता भूमिगत जल स्तर चिंता का विषय है। ऐसे में इसके संरक्षण के लिए अन्नदाता को आधुनिक तकनीकों को अपनाना होगा तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित बचेगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला(रबी) के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल की महत्ता को देखते हुए इस बार कृषि मेले का थीम भी जल संरक्षण रखा गया ताकि किसानों को इसके लिए प्रेरित किया जा सके। इस मेले में ऐसी तकनीकों को प्रदर्शित किया गया जिसके माध्यम से किसानों को जल संरक्षण के बारे में जागरूक किया जा सके।

उन्होंने कहा कि किसान और कृषि वैज्ञानिक एक दूसरे के पूरक हैं। जब

मेले के दौरान विभिन्न स्टालों पर जानकारी हासिल करती उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी व किसान।

उपायुक्त ने कृषि मेले में प्रगतिशील किसानों व महिलाओं से ली प्रतिक्रिया

उपायुक्त डा.प्रियंका सोनी ने कृषि मेले में प्रगतिशील किसानों व महिलाओं से प्रतिक्रिया ली। उन्होंने कहा कि अगर किसान वैज्ञानिक तरीके से कृषि करें और आधुनिक तकनीकों को अपनाएं तो निश्चय ही किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी। मेले के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी विभागों की स्टालों का दौरा कर बारिकी से जानकारी हासिल की। साथ ही प्रगतिशील किसानों व महिलाओं से भी बातचीत कर उनके व्यवसाय के बारे में जानकारी ली।

खामियां व समस्याएं नहीं बताएंगे तब ... तकनीकें ईजाद होती रहेंगी। सह-निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी

किसानों ने खरीदे 70 लाख के बीज व फलदार पौधे

कृषि मेले में करीब 52 हजार किसानों ने पंजीकरण कराया। करीब 70 लाख रुपए के बीज व फलदार पौधों की बिक्री हुई। मेले के दौरान फार्म निदेशालय ने साढ़े 22 लाख रुपए, रामधन सिंह सीड फार्म ने 14 लाख 85 हजार रुपए, सब्जी विज्ञान विभाग ने सवा लाख रुपए, माइक्रोबॉयालोजी ने 66 हजार रुपए, किसान सेवा केंद्र में दो लाख बाईस हजार रुपए, एचएसडीसी हिसार ने 10 लाख रुपऐ और एनएससी हिसार ने साढ़े तीन लाख रुपए का बीज बिक्री किया। इसी प्रकार फलदार पौधों में बागवानी विभाग ने 45 हजार रुपए और रामधन सिंह सीड फार्म ने 31 हजार रुपए के फलदार पौधे बिक्री किए।

विभिन्न विभागों की ओर से प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया था। इसमें

प्रथम जबकि क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र उचानी की मक्का व कीट विज्ञान विभाग

किसानों ने जीते इनाम

मेले में किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए फसल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बताया कि इसमें गांव धासू के किसान भागेराम की अरण्ड की खेती प्रथम, कोहली के अनिल कुमार की मूंगफली प्रथम, ढाबी कलां के विरेंद्र की कपास प्रथम, किरतान के अभिमन्यु की कपास द्वितीय, आर्यनगर के विकास का ग्वार प्रथम, कालीरावण के शमशेर का मक्का प्रथम, दौलतपुर के किसान कर्मबीर सिंह का धान व लहसुन प्रथम, चमराड़ा के किसान सुधीर की अरबी प्रथम व करौंदा द्वितीय, डाया के किसान नरेश की की हल्दी प्रथम, सलेमगढ़ के विकास की मशरूम प्रथम, बिश्नपुरा के गुरबाणी सिंह के प्याज प्रथम, कैलरम के किसान बलवान का करेला प्रथम, अड़कवास के किसान बलराज का करौंदा प्रथम, दौलतपुर के किसान सोनू का बेलपत्र प्रथम, जौरासी के रामप्रकाश की मौसमी प्रथम, प्रभुवाला के किसान परविंद्र का नीबू प्रथम व

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	10.9.2	2	4

Farmers must adopt new ways to conserve water, says VC

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, SEPTEMBER 9

With the depleting water level, farmers will have to adopt modern techniques and shun over exploitation of groundwater, which is a precious natural resource, said Professor BR Kamboj, Vice-Chancellor of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, here today.

He was addressing the farmers on the concluding day of the two-day Krishi Mela (Rabi) organised by the university. He said keeping in view the importance of water, this time the theme of the Krishi Mela was also water conservation so that the farmers could be motivated to conserve water. "The techniques which help farmers to conserve water were displayed in the krishi mela. The farmers and agricultural scientists complement each other. Unless the technology developed by the scientists reaches the farmers, the research will not be successful", he said.

He called upon the farmers to visit the university and take maximum advantage of the developed technologies and improved varieties here. As many as 52,000 farmers registered during the fair.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10.9.21	4	5-6

एचएयू में कृषि मेला • किसानों ने जीते इनाम, सब्जी विज्ञान की प्रदर्शनी रही प्रथम

दो दिन में 52 हजार किसानों का पंजीकरण 70 लाख के बीज व फलदार पौधों की बिक्री

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रबी किसान मेले के समापन पर दूसरे दिन जहां विवि ने लाखों रुपए के बीजों की बिक्री की, वहीं निजी कंपनियों ने करोड़ों के ऑर्डर बुक किए। इस बार खास बात यह रही कि सेहत को लेकर किसान चौकने दिखे। देसी गेहूं के बीज एसी-306 की मांग पहले से ज्यादा रही। चना, जौ और मकई के देसी बीजों की भी भारी मांग थी। किसानों को प्रेरित व प्रोत्साहित करने के लिए फसल प्रतियोगिताएं की गई। इसमें उन किसानों को सम्मानित किया, जिनकी फसल स्वस्थ व बेहतरीन थी।

वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने मेले के समापन पर प्रतियोगिओं को प्रशस्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान विवि में बायोटेक्नोलॉजी-बायो इन्फोमेटिक विभाग सहायक प्रोफेसर डॉ. उपेंद्र बालयान ने कहा कि बीमारी रहित पौध के लिए टिश्यू कल्चर की अहम भूमिका होती है। ये फंगस, कीड़े और वायरस को खत्म करने की क्षमता रखते हैं। डॉ. बाल्यान ने बताया कि इस मेले में टिश्यू कल्चर वाले 11 हजार केले के पौधे व 30 हजार गन्ने के पौध की बिक्री हुई। साथ ही किसानों ने लाखों पौध के लिए बुकिंग भी कराई है, जो अपने आप में रिकॉर्ड है। एचएयू के रबी किसान मेले में करीब 70 लाख रुपए के बीज व फलदार पौधों की बिक्री हुई। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बताया कि फार्म निदेशालय ने साढ़े 22 लाख रुपए, रामधन सिंह सीड फार्म ने 14 लाख 85 हजार, सब्जी विज्ञान विभाग ने सवा लाख रुपए, माइक्रोबॉयालोजी ने 66 हजार, किसान सेवा केंद्र में दो लाख 22 हजार, एचएसडीसी ने 10 लाख और एनएससी ने साढ़े 3 लाख रुपए का बीज बेचा। इसी प्रकार फलदार पौधों में बागवानी विभाग ने 45 हजार और रामधन सिंह सीड फार्म ने 31 हजार रूपए के फलदार पौधे बिक्री किए। विश्वविद्यालय की साहित्यिक सामग्री की 46 हजार रुपए की बिक्री हुई।

हकृवि कृषि मेले में एक स्टॉल पर जानकारी हासिल करतीं डीसी डॉ. प्रियंका सोनी।

कोहली के अनिल कुमार की मूंगफली रही प्रथम

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बताया कि मेले में फसल प्रतियोगिता में गांव धान्सू के किसान मांगेराम की अरण्ड की खेती प्रथम, कोहली के अनिल कुमार की मूंगफली प्रथम, ढाबी कलां के विरेंद्र की कपास प्रथम, किरतान के अभिमन्यु की कपास द्वितीय, आर्य नगर के विकास का ग्वार प्रथम, कालीरावण के शमशेर का मक्का प्रथम रही। दौलतपुर के किसान कमबीर सिंह का धान व लहसुन प्रथम, चमराड़ा के सुधीर की अरबी प्रथम व करौंदा द्वितीय, डाया के नरेश की हल्दी प्रथम, सलेमगढ़ के विकास की मशरूम प्रथम, बिश्नपुरा के गुरबाण सिंह के प्याज प्रथम, केलरम के बलवान का करेला प्रथम, अडक्कवास के बलराज का करौंदा प्रथम, दौलतपुर के सोनू का बेलपत्र प्रथम, जौरासी के रामप्रकाश की मौसमी प्रथम, प्रभुवाला के किसान परविंद्र का नींबू प्रथम व माल्टा द्वितीय स्थान पर रहा।

लुवास, एचएयू और राज्य के विभागों की श्रेणी में कॉलेज ऑफ डेयरी साइंस प्रथम

सह-निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में एचएयू कृषि कॉलेज की ओर से लगाई प्रदर्शनी में सब्जी विज्ञान विभाग की प्रदर्शनी प्रथम रही। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र उचानी की मक्का व कीट विज्ञान विभाग की प्रदर्शनी ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान हासिल किया। बैंकों की श्रेणी में भारतीय स्टेट बैंक प्रथम जबकि बैंक ऑफ बरौदा, यूनियन बैंक द्वितीय रहा। लुवास, एमएचयू व राज्य के विभागों की श्रेणी में कॉलेज ऑफ डेयरी साइंस एंड टेक्नोलोजी प्रथम रही। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हिसार द्वितीय स्थान पर रहा। प्रगतिशील किसानों की श्रेणी में काम्बोज बी फार्म प्रथम और वेदांता मशरूम प्लांट द्वितीय स्थान पर रहा। अन्य समूहों में एग्री टूरिज्म प्रथम जबकि जल संरक्षण के लिए एबिक द्वितीय स्थान पर रहा। बीज की श्रेणी में शक्ति वर्धक सीड्स प्रथम, सुपर सीड्स द्वितीय स्थान पर रहा। कीटनाशकों की श्रेणी में क्रिस्टल क्रॉप प्रोडेक्शन प्रथम रहा। रसायनों की श्रेणी में आईसीएल की प्रदर्शनी प्रथम, एमडी बॉयोकॉल्स की प्रदर्शनी द्वितीय स्थान पर रही। मशीनरी व ट्रैक्टर श्रेणी में रामफल ऑटो मोबाइल प्रथम व ओसवाल उद्योग द्वितीय स्थान पर रहा। फार्मास्युटिकल की श्रेणी में फोनेक्स लाइफ साइंस प्राइवेट लिमिटेड प्रथम, क्यूर लेट हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड व अशोका होम्योथिक लेबोरेट्री द्वितीय स्थान पर रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	10.9.21	9	2-5

एचएयू में आयोजन | दो दिवसीय कृषि मेला संपन्न

हरियाणा, राजस्थान, पंजाब व अन्य प्रदेशों के किसान पहुंचे

जलसंरक्षण के लिए अन्नदाता को अपनानी होगी आधुनिक तकनीक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

दिनों-दिन गिरता भूमिगत जलस्तर चिंता का विषय है। ऐसे में इसके संरक्षण के लिए अन्नदाता को आधुनिक तकनीकों को अपनाना होगा तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित बचेगा। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल की महत्ता को देखते हुए इस बार कृषि मेले का थीम भी जल संरक्षण रखा गया ताकि किसानों को इसके लिए प्रेरित किया जा सके। इस मेले में ऐसी तकनीकों को प्रदर्शित किया गया जिसके माध्यम से किसानों को जल संरक्षण के बारे में जागरूक किया जा सके।

हिसार। मेले के दौरान विभिन्न स्टालों पर जानकारी हासिल करते उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

फायदेमंद है कृषि मेला : डीसी

जिला उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी ने कृषि मेले के दूसरे दिनअपने संबोधन के दौरान कहा कि कृषि मेला किसानों के लिए बहुत ही लाभकारी है। इसलिए अधिक से अधिक संख्या में यहां आकर किसानों को आधुनिक तकनीकों, कृषि उपकरणों व विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों की जानकारी हासिल करनी चाहिए।

यह रहे मौजूद: कृषि मेले में विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ रामनिवास डांडा, कुलपति के ओएसडी डॉ अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ राजबीर सिंह व अन्य मौजूद रहे।

5

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	10.9.24	2	1-4

दो दिन के कृषि मेले में 52 हजार किसान जुटे 70 लाख रुपये के बीज और पौधों की हुई बिक्री

एचएयू में मेले के अंतिम दिन भी दूर-दराज से आए किसानों ने की खरीदारी

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का कृषि मेला दूसरे दिन बीरवार को संपन्न हुआ। दो दिनों में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के 52 हजार किसानों ने प्रतिभाग किया। वहीं दो दिनों में करीब 70 लाख रूपये के बीज व फलदार पौधों की बिक्री हुई। समापन कार्यक्रम में कुलपति प्रो बीआर कांबोज बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने कहा कि दिनों-दिन गिरता भूमिगत जल स्तर चिंता का विषय है। ऐसे में इसके संरक्षण के लिए अन्नदाता को आधुनिक तकनीकों को अपनाना होगा तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित बचेगा। इस दौरान जिला उपायुक्त डा. प्रियंका सोनी ने कृषि मेले का दौरा किया। उन्होंने कहा कि कृषि मेला किसानों के लिए बहुत ही लाभकारी है। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को इस भव्य कृषि मेले के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।इस दौरान विस्तार शिक्षा निदेशक डा. रामनिवास ढांडा, कुलपति के ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डा. राजवीर सिंह, अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत, संयुक्त निदेशक डा. कृष्ण यादव सहित विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, कर्मचारी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

कृषि मेले में किसान कृषि यंत्र देखते हुए। • जागरण।

किस विभाग ने कितने रुपये के बीज पौधों व साहित्य की बिक्री की

- विभाग- धनराशि (रुपये)
- फार्म निदेशालय- साढ़े 22 लाख
- रामधन सिंह सीड फार्म- 14.85 लाख
- सब्जी विज्ञान विभाग- 1.25 लाख
- माइक्रोबायालोजी- 66 हजार
- किसान सेवा केंद्र- 2.22 लाख
- एचएसडीसी हिसार- 10 लाख
- एनएससी हिसार- 3.50 लाख
- बागवानी विभाग- 45 हजार
- रामधन सिंह सीड फार्म- 31 हजार
- साहित्यिक सामग्री- 46 हजार
- मिट्टी के सैंपल व पानी के सैंपल- 37 हजार

सब्जी विज्ञान विभाग की प्रदर्शनी रही प्रथम

सह-निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डा. कृष्ण यादव ने बताया कि विवि के विभिन्न विभागों की ओर से प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया था। इसमें कालेज की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी में सब्जी विज्ञान विभाग की प्रदर्शनी प्रथम जबकि क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र उचानी की मक्का व कीट विज्ञान विभाग की प्रदर्शनी ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान हासिल किया। बैंकों की श्रेणी में भारतीय स्टेट बैंक प्रथम स्थान पर रहा।

फसल प्रतियोगिता में किसानों ने जीते इनाम

फसल प्रतियोगिता में गांव धांसू के किसान मांगेराम की अरण्ड की खेती प्रथम, कोहली के अनिल कुमार की मूंगफली प्रथम, ढाबी कलां के वीरेंद्र की कपास प्रथम, किरतान के अभिमन्यु की कपास द्वितीय, आर्यनगर के विकास का ग्वार प्रथम, कालीरावण के शमशेर का मक्का प्रथम, दौलतपुर के किसान कर्मवीर सिंह का धान व लहसुन प्रथम, चमराड़ा के किसान सुधीर की अरबी प्रथम व करौंदा द्वितीय, डाया के किसान नरेश की की हल्दी प्रथम, सलेमगढ़ के विकास की मशरूम प्रथम, विष्नपुरा के गुरबाण सिंह के प्याज प्रथम, केलरम के किसान बलवान का करेला प्रथम, अडक्कवास के किसान बलराज का करौंदा प्रथम, दौलतपुर के किसान सोनू का बेलपत्र प्रथम, जौरासी के रामप्रकाश की मौसमी प्रथम, प्रभुवाला के किसान परविंद्र का नींबू प्रथम व माल्टा द्वितीय स्थान पर रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	10.9.21	6	1-3

किसानों हेतु बहुत ही फायदेमंद है कृषि मेला : उपायुक्त

हिसार : मेले के दौरान विभिन्न स्टालों पर जानकारी हासिल करती हुई उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी व अन्य।

कृषि मेले में प्रगतिशील किसानों व महिलाओं से ली प्रतिक्रिया, आधुनिक तकनीकों की ली जानकारी

हिसार, 9 सितम्बर (देवानंद सोनी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की ओर से आयोजित कृषि मेला किसानों के लिए बहुत ही लाभकारी है। इसलिए अधिक से अधिक संख्या में यहां आकर किसानों को आधुनिक तकनीकों, कृषि उपकरणों व विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों की जानकारी हासिल करनी चाहिए।

यह बात जिला उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी ने एचएयू के दो दिवसीय कृषि मेले के दूसरे दिन अपने भ्रमण के दौरान कही। उन्होंने कहा कि अगर किसान वैज्ञानिक तरीके से कृषि करें और आधुनिक तकनीकों को अपनाएं, तो निश्चय ही किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी। मेले के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी विभागों की स्टालों का दौरा कर बारीकी से जानकारी हासिल की। साथ ही प्रगतिशील किसानों व महिलाओं से भी बातचीत कर उनके व्यवसाय के बारे में जानकारी ली। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि वे दिन-रात किसानों की सेवा के लिए लगे हुए हैं। उनकी वजह से ही किसान मौजूदा समय में अपनी फसलों की अच्छी पैदावार हासिल कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले बीज व वैज्ञानिक सलाह तथा तकनीकी जानकारी मिलती है। इस अवसर पर उनके साथ कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास, डॉ. कृष्ण यादव सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।